खण्ड - ब

विषयनिष्ठ प्रश्न

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें । प्रत्येक प्रश्न दो अंकों का है । $5 \times 2 = 10$

(क) त्रिलोचन हिन्दी के सर्वाधिक सीधे-सादे पर अत्यंत विलक्षण कवि हैं । भाषा की अथाह शक्ति का संबल उनके पास है । हिन्दी में वे अपने सॉनेटों के लिए विशेष चर्चित रहे हैं। त्रिलोचन की कविताओं में जीवन के भावों-अभावों का गहरे मानवीय संस्पर्श के साथ अंकन है । 'धरती', 'दिगंत', 'ताप के तापे हुए दिन', 'शब्द' आदि उनके काव्य संग्रह हैं । त्रिलोचन के संबंध में मलयज का कथन है, "वे मानव अनुभूतियों की विशिष्टता के नहीं, मानव अनुभूतियों की मार्मिकता के कवि हैं ।" त्रिलोचन प्रगतिशील काव्यधारा के प्रमुख कवि हैं । प्रगतिवादी दृष्टि ने साहित्य के स्वरूप और इसके उद्देश्यों पर प्रश्न उठाया और बताया कि साहित्य को उद्देश्यपूर्ण होना चाहिए ।

(i) त्रिलोचन कौन हैं ?

(ii) त्रिलोचन हिन्दी में किसलिए विशेष चर्चित रहे हैं ?

(iii) त्रिलोचन रचित कुछ काव्य संग्रहों के नाम लिखें ।

(iv) त्रिलोचन के संबंध में मलयज का क्या कथन है ?

(v) प्रगतिवादी दृष्टि ने साहित्य के संबंध में क्या किया ?

(ख) विधाता की सृष्टि में मानव ही सर्वश्रेष्ठ प्राणी है । मानव निराशा के घोर अंधकार में भी आशा का दीप लेकर आगे बढ़ता रहा है और अंधकार से लड़ता रहा है । 'कोसी नदी' को 'बिहार का शोक' कहा जाता है । यह नदी लगातार अपना पनाह पथ बदलते हुए जिधर से गुजरती है वहाँ की धरती को बालूचरों में बदलकर अनुर्वर कर देती है । मानव ने अपनी क्षमता, प्रयत्न और पुरुषार्थ से 'कोसी परियोजना' के द्वारा कोसी के शोक-विषाद को उल्लास में बदल दिया है । लाखों एकड़ कोसी-कवलित परी हुई मिट्टी शस्य श्यामला हो उठी है । सब मिलाकर एक स्वप्नलोक की सृष्टि साकार हो गई है ।

(i) विधाता की सृष्टि में कौन सर्वश्रेष्ठ प्राणी है ?

(ii) कोसी नदी को क्या कहा जाता है ?

(iii) कोसी नदी जिधर से गुजरती है वहाँ की धरती को क्या कर देती है ?

(iv) मानव ने कोसी के शोक-विषाद को उल्लास में कैसे बदल दिया है ?

(v) 'कोसी परियोजना' के बाद कोसी क्षेत्र में क्या परिवर्तन हुए हैं ?

2. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें । प्रत्येक प्रश्न दो अंकों का है । 5 × 2 = 10

(क) आज के समय में प्राथमिक शिक्षा को अधिक कारगर बनाने की जरूरत एक बहुत बड़ा सवाल है । पिछली कई पीढ़ियों से शिक्षा की विफलताओं का दोष प्राथमिक शाला के शिक्षकों पर मढ़ा जा रहा है । हमारे देश में बड़े-बड़े कमीशनों के द्वारा सुझाए गए शैक्षिक सुधार एक के बाद एक असफल हो रहे हैं तो उसके पीछे का एक कारण हमारी शिक्षा पर हावी अफसरशाही भी है । नौकरशाही का शिकंजा अच्छे-से-अच्छे सुझावों और संभावनाओं को कुचल देता है, क्योंकि कोई अफसर नहीं चाहता कि उसकी ताकत कम हो । प्राथमिक शाला का शिक्षक इस प्रक्रिया का मारा हुआ है । प्राथमिक शाला के शिक्षक के साथ चलकर शिक्षा की समस्याओं तथा उसकी लाचारी को समझना पंचायत प्रतिनिधियों के लिए भी बहुत जरूरी है ।

(i) आज के समय में बहुत बड़ा सवाल क्या है ?

(ii) पिछली कई पीढ़ियों से शिक्षा की विफलताओं का दोष किसपर मढ़ा जा

प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें।

(क) गद्यांश – त्रिलोचन

(i) प्रश्न: त्रिलोचन कौन हैं?

उत्तर: त्रिलोचन हिन्दी के सर्वाधिक सीधे-सादे और अत्यंत विलक्षण कवि हैं। वे प्रगतिशील काव्यधारा के प्रमुख कवि हैं।

(ii) प्रश्न: त्रिलोचन हिन्दी में किसलिए विशेष चर्चित रहे हैं?

उत्तर: त्रिलोचन हिन्दी में अपनी सॉनेटों के लिए विशेष चर्चित रहे हैं।

(iii) प्रश्न: त्रिलोचन रचित कुछ काव्य संग्रहों के नाम लिखें।

उत्तर: त्रिलोचन रचित प्रमुख काव्य संग्रह हैं – 'धरती', 'दिगंत', 'ताप के तापे हुए दिन' और 'शब्द'।

(iv) प्रश्न: त्रिलोचन के संबंध में मलयज का क्या कथन है?

उत्तर: मलयज का कथन है कि वे मानव अनुभूतियों की विशिष्टता के नहीं, बल्कि मानव अनुभूतियों की मार्मिकता के कवि हैं।

(v) प्रश्न: प्रगतिवादी दृष्टि ने साहित्य के संबंध में क्या किया?

उत्तर: प्रगतिवादी दृष्टि ने साहित्य के स्वरूप और उसके उद्देश्यों पर प्रश्न उठाया तथा बताया कि साहित्य को उद्देश्यपूर्ण होना चाहिए।

प्रश्न 2. (क) प्राथमिक शिक्षा वाला गद्यांश

(i) प्रश्न: आज के समय में बहुत बड़ा सवाल क्या है?

उत्तर: आज के समय में प्राथमिक शिक्षा को अधिक कारगर बनाने की जरूरत एक बहुत बड़ा सवाल है।

(ii) प्रश्न: पिछली कई पीढ़ियों से शिक्षा की विफलताओं का दोष किस पर मढ़ा जा रहा है?

उत्तर: पिछली कई पीढ़ियों से शिक्षा की विफलताओं का दोष प्राथमिक शाला के शिक्षकों पर मढ़ा जा रहा है।

3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 250-300 शब्दों में निबंध लिखें : $1 \times 10 = 10$

(क) वृक्षारोपण :

(i) भूमिका

(ii) वृक्ष का महत्त्व

(iii) वृक्षों की अंधाधुंध कटाई से हानि

(iv) उपसंहार

(ख) दीपावली :

(i) भूमिका

(ii) दीपावली कब और क्यों मनाते हैं ?

(iii) इससे लाभ और हानि

(iv) उपसंहार

(i) भूमिका :दीपावली हमारे देश का बहुत बड़ा और प्यारा त्योहार है। इसे 'दीपों का त्योहार' भी कहते हैं। इस दिन चारों तरफ दीयों की रोशनी होती है और सबके चेहरे पर खुशी दिखाई देती है। यह त्योहार हमारे घर और मन में नई उमंग भर देता है।

(ii) दीपावली कब और क्यों मनाते हैं ?

दीपावली हर साल कार्तिक मास की अमावस्या के दिन मनाई जाती है। इसे मनाने के पीछे एक खास वजह यह है कि भगवान श्रीराम चौदह साल का वनवास पूरा करके और रावण को हराकर अयोध्या लौटे थे। उनके आने की खुशी में लोगों ने घी के दीये जलाए थे। तब से हर साल यह त्योहार खुशी और रोशनी के साथ मनाया जाता है।

(iii) इससे लाभ और हानि : दीपावली से कई अच्छे लाभ होते हैं। इस मौके पर घर और आसपास की अच्छी तरह सफ़ाई होती है। लोग एक-दूसरे से मिलते हैं, मिठाइयाँ बाँटते हैं और आपस का झगड़ा भूलकर मिलकर रहते हैं। इससे प्यार और अपनापन बढ़ता है।

लेकिन यदि हम ध्यान न रखें तो कुछ नुकसान भी हो सकते हैं। बहुत ज़्यादा पटाखे चलाने से हवा और आवाज़ गंदी होती है, जिससे सांस लेने

में दिक्कत होती है और बुज़ुर्गों व बीमार लोगों को परेशानी होती है। पटाखों से जलने या आग लगने का डर भी रहता है और फालतू खर्च भी बढ़ जाता है।

(iv) उपसंहार : दीपावली हमें अच्छाई, सच्चाई और उजाले के रास्ते पर चलने की सीख देती है। यदि हम कम पटाखे जलाएँ, सफ़ाई रखें और प्यार से यह त्योहार मनाएँ, तो दीपावली की खुशी और भी बढ़ जाएगी।

4.विद्यालय के शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम के अन्तर्गत पटना भ्रमण की चर्चा करते हुए अपनी माँ के पास पत्र लिखें।

परीक्षा भवन, पटना।

दिनांक: 23 नवंबर, 2026

आदरणीय माँ, सादर प्रणाम।

मैं यहाँ कुशलता से हूँ और आशा करता हूँ कि आप भी स्वस्थ और प्रसन्न होंगी। आज मैं इस पत्र के माध्यम से विद्यालय के शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम के अंतर्गत अपने पटना भ्रमण के अनुभव साझा करना चाहता हूँ।

हमारे विद्यालय की ओर से हमें पटना के ऐतिहासिक और ज्ञानवर्धक स्थानों का भ्रमण कराया गया। हमने गोलघर, पटना संग्रहालय, तारामंडल और गांधी मैदान जैसे स्थानों को देखा। वहाँ जाकर हमें इतिहास, विज्ञान और अपनी संस्कृति के बारे

में नई और उपयोगी बातें जानने को मिलीं। शिक्षकों के मार्गदर्शन में यह यात्रा बहुत अनुशासित और ज्ञानवर्धक रही।

इस भ्रमण से मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला और पढ़ाई के प्रति नया उत्साह भी जागा है। घर लौटकर मैं आपको सभी बातें विस्तार से बताऊँगा। पिताजी को मेरा प्रणाम और छोटे भाई को स्नेह कहिएगा।

आपका आज्ञाकारी पुत्र, क. ख. ग.

अथवा वार्षिक परीक्षा की तैयारी पर दो मित्रों के बीच के संवाद को लिखिए

राहुल: नमस्ते अमित! तुम कैसे हो? आजकल बहुत व्यस्त दिख रहे हो।

अमित: नमस्ते राहुल! मैं ठीक हूँ। बस, वार्षिक परीक्षा नजदीक आ रही है, इसलिए अपनी तैयारी में लगा हूँ। तुम्हारी तैयारी कैसी चल रही है?

राहुल: मेरी तैयारी भी ठीक चल रही है, लेकिन कुछ विषयों के पाठ्यक्रम और पुराने प्रश्न-पत्रों को लेकर थोड़ा तनाव है।

अमित: तनाव लेने की ज़रूरत नहीं है। मैंने एक समय-सारणी बनाई है, जिससे हर विषय को रोज़ थोड़ा समय मिल जाता है और दोहराने का काम भी आसानी से हो जाता है।

राहुल: यह तो बहुत अच्छा तरीका है। मैं भी आज से नियमित समय-सारणी बनाकर महत्वपूर्ण प्रश्नों का अभ्यास शुरू करूँगा।

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दें : $5 \times 2 = 10$

(i) भीमराव अंबेडकर के अनुसार जातिवाद के पोषक उसके पक्ष में क्या तर्क देते हैं?

उत्तर: जातिवाद के पोषकों का तर्क है कि आधुनिक सभ्य समाज में कार्य-कुशलता के लिए 'श्रम-विभाजन' आवश्यक है, और जाति-प्रथा भी श्रम-विभाजन का ही एक रूप है; अतः यह अनुचित नहीं है।

(ii)'अक्षर-ज्ञान' शीर्षक कविता में बेटे के लिए 'ङ' क्या है ?

उत्तर: कविता में छोटे बच्चे के लिए 'ङ' का 'ड' माँ है और उसके ऊपर लगा बिंदु (अनुस्वार) माँ की गोद में बैठा बेटा है।

(iii) रामविलास शर्मा के अनुसार साहित्य का कौन-सा पक्ष अपेक्षाकृत स्थायी होता है ?

उत्तर: रामविलास शर्मा के अनुसार साहित्य में मनुष्य के इंद्रिय-बोध और उसकी भावनाएँ जो व्यक्त होती हैं, साहित्य का वही पक्ष अपेक्षाकृत अधिक स्थायी होता है।

(iv) कवि गुरु नानक की दृष्टि में ब्रह्म का निवास कहाँ है ?

उत्तर: गुरु नानक की दृष्टि में ब्रह्म का निवास उस व्यक्ति के हृदय में होता है, जो सुख-दुख, हर्ष-शोक, मान-अपमान और लोभ-मोह से रहित होकर सांसारिक मोह-माया से मुक्त रहता है।

(v) रंगप्पा कौन था और वह मंगम्मा से क्या चाहता था?

उत्तर: रंगप्पा मंगम्मा के गाँव का एक शौकीन, जुआरी और लालची युवक था। वह मंगम्मा के बहू-बेटे से अलग रहने की बात जानकर उससे कर्ज के रूप में धन लेना चाहता था।

6. (ii) सप्रसंग व्याख्या करें:

"खेत हैं जहाँ धान के,बहती नदी के किनारे

फिर आऊँगा लौट कर एक दिन-बंगाल में;"

उत्तर:

(i) लेखक मैक्स मूलर ने नया सिकंदर किसे कहा है? ऐसा कहना क्या उचित है ? लेखक का अभिप्राय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: प्रसिद्ध विद्वान मैक्स मूलर ने नवयुवक अंग्रेज अधिकारियों (तथा ज्ञान-पिपासु युवा अन्वेषकों) को 'नया सिकंदर' कहा है।

लेखक का मानना है कि जिस प्रकार प्राचीन सिकंदर विश्व-विजय के लक्ष्य से निकला था, उसी प्रकार ये युवा भारत आकर यहाँ की प्राचीन भाषा, साहित्य, संस्कृति और ज्ञान-संपदा को जानना-समझना चाहते हैं।

ऐसा कहना संदर्भ के अनुसार उचित है, क्योंकि लेखक का अभिप्राय किसी सैन्य आक्रमण या रक्तपात से नहीं, बल्कि ज्ञान, संस्कृति और इतिहास की

खोज से है। मैक्स मूलर चाहते हैं कि युवा केवल भौतिक विजय के स्थान पर भारत के असीम ज्ञान-भंडार को समझकर आत्मिक व बौद्धिक समृद्धि प्राप्त करें।